THE HINDU

Integral University Holds XVII Convocation, Shri A.K. Sharma Urges Graduates to Lead India's Growth

Integral University, Lucknow, held its XVII Convocation Ceremony, celebrating academic excellence and innovation. Shri Arvind Kumar Sharma, Cabinet Minister for Urban Development & Energy, graced the event as Chief Guest, commending the University's role in quality education and urging students to contribute to India's progress and nation-building. Prof. Syed Waseem Akhtar, Hon'ble Chancellor and Founder, congratulated the graduates, encouraging them to stay determined and positive. Guest of Honour Shri Nasser Munjee, Chairman of MMTC PAMP and ARKA FinCap, delivered the convocation address and was conferred the D.Litt. (Honoris Causa) for his contributions to finance and social development.

हिन्दी दैनिक जनतंत्र प्राइम भारत लखनऊ

उन्नाव /बहराइच/लखनऊ

धूम से मनाया गया दीक्षांत समारोह

❖ इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपना सत्रहवां वार्षिक दीक्षांत समारोह बड़ी ही धूमधाम से मनाया।

परवेज़ अख्तर

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपना सत्रहवां वार्षिक दीक्षांत समारोह धूमधाम से मनाया, जहां विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के नगरीय विकास एवं ऊर्जा विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री अरविंद कुमार (ए.के) शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। कई और गणमान्य अतिथियों के साथ विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर, प्रो चांसलर श्री सैयद नदीम अख्तर, कुलपति प्रोफेसर जावेद मुसर्रत, एडिशनल प्रो चांसलर श्री अदनान अख्तर, एडिशनल प्रो चांसलर डॉ निदा फातिमा, रजिस्ट्रार प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी

और अन्य गणमान्य लोग समारोह में खुशीसी तौर से मौजूद रहे।

कार्यक्रम में डॉ0 सबा सिद्दीक़ी के बेहतरीन मंच संचालन में इस साल बीसीए के छात्र इज़ान अखूतर, मोहम्मद सैफ़, तथा अतहर अली समेत कुल 4,926 छात्र छात्राओं को स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्रियां वितरित की गई, जिसमें 133 पीएचडी की डिग्रियां शामिल हैं। मोश्र माज़ (एमसीए) और सायमा सिद्दीकी (एमएससी गणित) ने विश्वविद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। अन्य विजेताओं को फैकल्टी वाइज 13 गोल्ड मेडल, 13 सिल्वर मेडल, प्रोग्राम वाइज 108 गोल्ड मेडल व 105 सिल्वर मेडल से नवाजा गया। अपने वक्तत्व में कैबिनेट मंत्री ए.के शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, हमें न केवल विश्व के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है, बल्कि भारत के महान इतिहास और विरासत को पुनः प्राप्त करना है। मैं आज के सभी स्नातकों को बधाई देता हूँ। दीक्षांत समारोह में मौजूद छात्रों को संबोधित करते हुए चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने कहा, आप सभी ने कड़ी मेहनत कर यह मुकाम हासिल किया है। याद रखें, सच्चाई और ईमानदारी से भरा रास्ता अस्थायी न होकर स्थायी लाभ देता है। यह शपथ लें कि आप जीवन में कभी भी गलत रास्ते पर नहीं चलेंगे। साथ ही ये भी कहा कि अपने माता-पिता और गुरू का सम्मान करें, उन्हीं की वजह से आप यहां तक पहुंचे हैं हैं।

प्रो-चांसलर श्री सैयद नदीम अख्तर ने भी छात्रों को शुभकामनाएं दीं और कहा, ÷दीक्षांत समारोह हमारे महत्वपूर्ण मील के पत्थर और उपलब्धियों का प्रतीक होते हैं। यह डिग्रियाँ आपकी उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करती हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि इस प्रक्रिया में आप किस प्रकार के व्यक्ति बने हैं। दुनिया को डॉक्टर और इंजीनियर के साथ साथ अच्छे इंसानों की भी ज़रूरत है, इसलिए डाक्टर इंजियर बनने के साथ साथ आप अच्छे इंसान ज़रूर बने। समारोह के अंत में रजिस्ट्रार प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया और विश्वविद्यालय के साथ साथ सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रहार मुंबई येथील यूपी स्टेट ब्युरो चीफ पंकज रस्तोगी हिला यूपी कॅबिनेट मंत्री ए. के. शर्मा यांच्या हस्ते एम. टेक बायोमेट्रिक्समध्ये सुवर्णपद आणि फॅकल्टी टॉपर पुरस्कार प्रदान करण्यात आला. डावीकडे कुलपती एस. एम. अख्तर होते.

ଲକ୍ଷ୍ନୌର ଇଣ୍ଟିଗ୍ରାଲ ୟୁନିଭରସିଟିର ଦୀକ୍ଷାନ୍ତ ସମାରୋହରେ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ମନ୍ତ୍ରୀ ଏ.କେ ଶର୍ମା, ବରିଷ୍ଠ ସାମ୍ବାଦିକ ପଙ୍କଜ ରାସ୍ତୋଗୀଙ୍କ ପୁତ୍ରୀ ସାକ୍ଷୀ ରାସ୍ତୋଗୀଙ୍କୁ ଏମଟେକ ବାୟୋମେଟ୍ରିକ୍ସରେ ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣ ପଦକ ପ୍ରଦାନ କରୁଛନ୍ତି । ଏହି ଅବସରରେ ରାଜ୍ୟ ସୂଚନା ବିଭାଗ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ବିଶାଳ ସିଂଙ୍କୁ ତାଙ୍କ ଜନ୍ମ ଦିବସରେ ବଧାୟୀ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଉଛି ।

निष्पक्ष सहारा टाइम्स

भारत में गूगल जैसी कंपनी स्थापित करें छात्र : शर्मा

लखनऊ, दो नवंबर। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने रविवार को भारतीय छात्राओं का 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को सर्वोपरि रखते हुए भारत में गूगल तथा ऐसी ही अन्य प्रमुख कंपनियां स्थापित करने का आह्वान किया। शर्मा ने लखनऊ स्थित इंटीग्रल विश्वविद्यालय के 17 में दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय मेधा विदेश में जाकर अपनी प्रतिभा का लोहा लंबे समय से मनवा रही है। अब समय आ गया है कि उस प्रतिभा का इस्तेमाल अपने देश को आगे बढ़ाने में किया जाए। उन्होंने गूगल के सीईओ सुंदर पिचई का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की मेधा ने विदेश में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। अब यह आज की पीढ़ी के छात्रों पर दारोमदार है कि वे अपनी मेधा का इस्तेमाल भारत में करें और यहां गूगल जैसी कंपनी की स्थापना करें।शर्मा ने कहा कि भारत में ऐसे मूल्य स्थापित किए हैं जिनका पूरी दुनिया अनुसरण कर रही है। छात्र-छात्राओं को भारत मूल्य प्रणाली में विश्वास रखते हुए इस देश को विकसित राष्ट्र बनाने में मदद करनी चाहिए।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि ब्रिटिश काल में भारत की अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हुआ, लेकिन हमें न केवल दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करनी

है बल्कि अपनी महानता को भी पुनर्स्थापित करना है। उन्होंने छात्र-छात्राओं में सलीका विकसित करने की जरूरत पर भी जोर देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को विद्यार्थियों को 'सॉफ्ट स्किल्स' से भी लैस करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं कुलाधिपति प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने छात्रों को सलाह देते हुए कहा, 'सच्चाई और ईमानदारी का रास्ता अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी सफलता देता है। अगर आप महानता प्राप्त करना चाहते हैं तो चुनौतियों से न घबराएं बल्कि अपनी क्षमता पर विश्वास रखें। आप वह सब कुछ कर सकते हैं जो आप सोच सकते हैं।' दीक्षांत समारोह को इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर जावेद मुसर्रत और प्रतिकुलपति नदीम अख्तर ने भी संबोधित किया।

दीक्षांत समारोह में 133 शोध उपाधियां (पीएचडी) और 4,793 स्नातक व स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। इसके अलावा 13 संकायवार स्वर्ण पदक और 13 रजत पदक तथा कार्यक्रमवार 108 स्वर्ण पदक और 105 रजत पदक वितरित किए गए।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपना सत्रहवां वार्षिक दीक्षांत समारोह धूमधाम से मनाया

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुये नगर विकास और ऊर्जा मन्त्री

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपना सत्रहवां वार्षिक दीक्षांत समारोह धूमधाम से मनाया, जहां विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के नगरीय विकास एवं ऊर्जा विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नासिर मुंजी (अध्यक्ष, एमएमटीसी पीएएमपी और अर्का फिनकैपड) भी मौजूद थे।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय के संस्थापक और माननीय चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर, प्रो चांसलर श्री सैयद नदीम अख्तर, कुलपति प्रोफेसर जावेद मुसर्रत, एडिशनल प्रो चांसलर श्री अदनान अख्तर, एडिशनल प्रो चांसलर डॉ निदा फातिमा, रजिस्ट्रार प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी और अन्य गणमान्य व्यक्ति समारोह का हिस्सा थे। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. सबा सिद्दीकी ने संभाली। मुख्य अतिथि अरविंद कुमार शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, मैं प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर से सहमत हूं जब उन्होंने कहा कि हमारा देश सबसे श्रेष्ठ और महान है। हमारा भारत सोने की चिड़िया है, जैसा कि बॉलीवुड गीत में कहा गया है, जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करे बसेरा, वो भारत देश है मेरा। भारत कभी एक ऐसा उपमहाद्वीप था, जो अपने जलवायु और भूगोल के कारण अनुकूल था। ब्रिटिश शासन के दौरान, भारत की अर्थव्यवस्था को भारी क्षति पहुंचाई गई। हमें न केवल विश्व के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है, बल्कि भारत के महान इतिहास और विरासत को पुनः प्राप्त करना है। मैं आज के सभी स्नातकों को बधाई देता हूं और चाहता हूं कि आप विश्वास करें कि आप एक महान देश के हैं। भारत शिक्षा का एक पुराना वैश्विक केंद्र रहा है। तक्षशिला, नालंदा इसके उदाहरण हैं। मुझे खुशी है कि इंटीग्रल विश्वविद्यालय वैश्विक शिक्षार्थियों को शिक्षा प्रदान करते हुए भारतीय विरासत को बनाए रख रहा है। 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात शिक्षा हमें सभी बंधनों से मुक्त करती है, चाहे वह जाति हो, रंग हो, लालच या इच्छा हो। 'विद्या ददाति विनयं' यानी शिक्षा हमें विनम्र और परोपकारी बनाती है। शिक्षा पाने से आपको योग्य नहीं बनाया जाता, बल्कि उस प्रक्रिया में आपकी विनम्रता बढ़ती है। धर्म से जीवन का सार आता है। किसी भी मापदंड पर भारत से बेहतर और देश नहीं है।

दीक्षांत समारोह में मौजूद छात्रों को संबोधित करते हुए चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने कहा, -आप सभी ने कड़ी मेहनत कर आज यहां तक पहुंच कर यह मुकाम हासिल किया है। याद रखें, सच्चाई और ईमानदारी से भरा रास्ता अस्थायी न होकर स्थायी लाभ देता है। यह शपथ लें कि आप जीवन में कभी भी गलत रास्ते पर नहीं चलेंगे। हालांकि, वह रास्ता अस्थायी लाभ दे सकता है, लेकिन अंत में वही रास्ता आपको नुकसान पहुंचाएगा। अपने माता-पिता का सम्मान करें, वे आपके जीवन का सबसे बड़ा सहारा हैं। हमेशा अपने शिक्षकों का धन्यवाद करें, जिन्होंने आपको इस मुकाम तक पहुंचाया है। अगर आप जीवन में महानता प्राप्त करना चाहते हैं, तो आप कड़ी धूप में मेहनत से डर कर छांव तलाश ना करें बल्कि खुद पर यकीन रखें कि आप वो सब कर सकते हैं जो भी आप सोच सकते हैं। प्रो-चांसलर सैयद नदीम अख्तर ने भी छात्रों को शुभकामनाएं दीं और कहा, -दीक्षांत समारोह हमारे महत्वपूर्ण मील के पत्थर और उपलब्धियों का प्रतीक होते हैं। यह डिग्रियाँ आपकी उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करती हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि इस प्रक्रिया में आप किस प्रकार के व्यक्ति बने हैं। एक मनुष्य अंतिम पलों में ट्रॉफी नहीं मांगता, बल्कि वे रिश्तों को महत्व देता है। इसलिए अपने माता-पिता को कॉल करें, बार-बार धन्यवाद कहना सीखें, और बोलने से अधिक सुनना सीखें। शिक्षा के परिणामस्वरूप, आपको यही सब कुछ बनना है। दुनिया को डॉक्टर और इंजीनियर से अधिक अच्छे इंसानों की आवश्यकता है। सही होने से बेहतर अच्छा होना जरूरी है। विद्यार्थियों, यह आपका विदाई नहीं बल्कि एक निमंत्रण है। आप अपने परिवार की खुशी हैं, अपने शिक्षकों का अभिमान हैं। आपके दिल में प्रेम भरा रहे। विशिष्ट अतिथि नासिर मुंजी ने कहा, हम सभी को, एक राष्ट्र और व्यक्तियों के रूप में, खोजी रोशनी की तरह अपने आस-पास के पर्यावरण का निरीक्षण करना होगा क्योंकि यह दुनिया तेजी से बदल रही है। इस तेजी से बदलते विश्व में जीवित रहने के लिए विश्लेषणात्मक सोच आवश्यक है। छात्रों के लिए यह विश्वविद्यालय एक आजीवन मित्र की तरह है और आपको इसे अपना परिवार समझना चाहिए। हम बहुत जल्दी बोल देते हैं, जबकि सुनना जरूरी होता है। सुनना सीखना हमारे लिए अधिक महत्वपूर्ण है। कुलपति प्रोफेसर जावेद मुसर्रत ने विश्वविद्यालय की वार्षिक उपलब्धियां साझा करते हुए कहा, हम शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार कर रहे हैं और छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य शिक्षा में नवाचार और गुणवत्ता को सर्वोच्च बनाना है। समारोह के अंत में रजिस्ट्रार प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया और विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर अब्दुल रहमान खान ने विजेताओं के नाम की घोषणा की।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपना सत्रहवां वार्षिक दीक्षांत समारोह धूमधाम से मनाया

अनुपूरक न्यूज एजेंसी, लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपना सत्रहवां वार्षिक दीक्षांत समारोह धूमधाम से मनाया, जहां विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के नगरीय विकास एवं ऊर्जा विभाग के कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार शर्मा मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नासिर मुंशी (अध्यक्ष, एमएमटीसी पीएएमपी और अर्का फिनकैप) भी मौजूद थे। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के संस्थापक और माननीय चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर, प्रो चांसलर सैयद नदीम अख्तर, कुलपति प्रोफेसर जावेद मुसर्रत, एडिशनल प्रो चांसलर अदनान अख्तर, एडिशनल प्रो चांसलर डॉ निदा फातिमा, रजिस्ट्रार प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी और अन्य गणमान्य व्यक्ति समारोह का हिस्सा थे। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. सबा सिद्दीकी ने संभाली।

मुख्य अतिथि अरविंद कुमार शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ÷मैं प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर से सहमत हूं जब उन्होंने कहा कि हमारा देश सबसे श्रेष्ठ और महान है। हमारा भारत सोने की चिड़िया है, जैसा कि बॉलीवुड गीत में कहा गया है, जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करे बसेरा, वो भारत देश है मेरा। भारत कभी एक ऐसा उपमहाद्वीप था, जो अपने जलवायु और भूगोल के कारण अनुकूल था। ब्रिटिश शासन के दौरान, भारत की अर्थव्यवस्था को भारी क्षति पहुंचाई गई। हमें न केवल विश्व के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है, बल्कि भारत के महान इतिहास और विरासत को पुनः प्राप्त करना है। मैं आज के सभी स्नातकों को बधाई देता हूं और चाहता हूं कि आप विश्वास करें कि आप एक महान देश के हैं। भारत शिक्षा का एक पुराना वैश्विक केंद्र रहा है? तक्षशिला, नालंदा इसके उदाहरण हैं। मुझे खुशी है कि इंटीग्रल विश्वविद्यालय वैश्विक शिक्षार्थियों को शिक्षा प्रदान करते हुए भारतीय विरासत को बनाए रख रहा है। 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात शिक्षा हमें सभी बंधनों से मुक्त करती है, चाहे वह जाति हो, रंग हो, लालच या इच्छा हो। 'विद्या ददाति विनयं' यानी शिक्षा हमें विनम्र और परोपकारी बनाती है। शिक्षा पाने से आपको योग्य नहीं बनाया जाता, बल्कि उस प्रक्रिया में आपकी विनम्रता बढ़ती है। धर्म से जीवन का सार आता है। किसी भी मापदंड पर भारत से बेहतर और देश नहीं है।÷÷

दीक्षांत समारोह में मौजूद छात्रों को संबोधित करते हुए चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने कहा, ÷आप सभी ने कड़ी मेहनत कर आज यहां तक पहुंच कर यह मुकाम हासिल किया है। याद रखें, सच्चाई और ईमानदारी से भरा रास्ता अस्थायी न होकर स्थायी लाभ देता है। यह शपथ लें कि आप जीवन में कभी भी गलत रास्ते पर नहीं चलेंगे। हालांकि, वह रास्ता अस्थायी लाभ दे सकता है, लेकिन अंत में वही रास्ता आपको नुकसान पहुंचाएगा। अपने माता-पिता का सम्मान करें, वे आपके जीवन का सबसे बड़ा सहारा हैं। हमेशा अपने शिक्षकों का धन्यवाद करें, जिन्होंने आपको इस मुकाम तक पहुंचाया है। अगर आप जीवन में महानता प्राप्त करना चाहते हैं, तो आप कड़ी धूप में मेहनत से डर कर छांव तलाश ना करें बल्कि खुद पर यकीन रखें कि आप वो सब कर सकते हैं जो भी आप सोच सकते हैं.

प्रो-चांसलर सैयद नदीम अख्तर ने भी छात्रों को शुभकामनाएं दीं और कहा, ÷दीक्षांत समारोह हमारे महत्वपूर्ण मील के पत्थर और उपलब्धियों का प्रतीक होते हैं। यह डिग्रियाँ आपकी उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करती हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि इस प्रक्रिया में आप किस प्रकार के व्यक्ति बने हैं। एक मनुष्य अंतिम पलों में ट्रॉफी नहीं मांगता, बल्कि वे रिश्तों को महत्व देता है। इसलिए, अपने माता-पिता को कॉल करें, बार-बार धन्यवाद कहना सीखें, और बोलने से अधिक सुनना सीखें। शिक्षा के परिणामस्वरूप, आपको यही सब कुछ बनना है। दुनिया को डॉक्टर और इंजीनियर से अधिक अच्छे इंसानों की आवश्यकता है। सही होने से बेहतर अच्छा होना जरूरी है। विद्यार्थियों, यह आपका विदाई नहीं बल्कि एक निमंत्रण है। आप अपने परिवार की खुशी हैं, अपने शिक्षकों का अभिमान हैं। आपके दिल में प्रेम भरा रहे।

शिक्षा और संस्कृति के माध्यम से भारतीय विरासत को आगे बढ़ाएं: एके शर्मा

•इंटीग्रल यूनिवर्सिटी का 17वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न•4926 विद्यार्थियों को उपाधि, 239 को मेडल

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ का 17वां दीक्षांत समारोह रविवार को बड़े ही भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा रहे। इस अवसर पर कुल 4,926 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, जिनमें 133 पीएचडी की डिग्रियां शामिल थीं, जबकि 239 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण एवं रजत पदकों से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि भारत को विकसित देश इसलिए नहीं बनना है कि हम किसी को पीछे छोड़ें, बल्कि इसलिए कि हम अपना प्राचीन गौरव पुनः प्राप्त करें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा और संस्कृति के माध्यम से भारतीय विरासत को आगे बढ़ाएं। शर्मा ने कहा कि विद्या ददाति विनयं – शिक्षा से विनम्रता और परोपकार की भावना आती है। उन्होंने अपने छात्र जीवन की स्मृतियाँ साझा करते हुए बताया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में उन्हें लेक्चरर बनने का प्रस्ताव मिला था, लेकिन उसी समय उनका चयन आईएएस में हो गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सैयद वसीम अख्तर ने द्विभाषी (हिंदी-उर्दू) संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना के शुरूआती दिनों में यहां बिजली नहीं थी, लेकिन विश्वविद्यालय के प्रयासों से पूरे क्षेत्र को विद्युत सुविधा मिली। उन्होंने प्रदेश सरकार से विश्वविद्यालय से संबंधित एनओसी प्रक्रिया को सरल बनाने का अनुरोध किया और कहा कि हमारा सपना है कि अगले दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि बनकर पधारें। समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात अर्थशास्त्री और एचडीएफसी बैंक के पूर्व एकजीक्यूटिव निदेशक नासिर मुंजी ने कहा कि भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले दस वर्षों में भारत अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा। उन्होंने कहा कि विश्व के भविष्य का केंद्र भारत है, और ब्रिक्स जैसे संगठनों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान विभागवार टॉपर्स को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। कृषि व तकनीकी संकाय में प्रांजली, आर्किटेक्चर में फातिमा, वाणिज्य में लाईबा इजहार, शिक्षा संकाय में शिवा फातिमा, इंजीनियरिंग में मोहम्मद खान, सोशल साइंस में अल्फीशा रहमान, बिजनेस स्टडी में ताहिरा रहमाना, विधि में जोया हाशमी और सबरीन सुल्ताना, मेडिकल में अभिनव अनिल श्रीवास्तव तथा गणित में सायमा सिद्दीकी को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों की बड़ी संख्या मौजूद रही। पूरे आयोजन में उत्सव और गौरव का वातावरण दिखाई दिया।

Central Library, Integral University

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने मनाया सत्रहवां वार्षिक दीक्षांत समारोह

आनन्द पब्लिक ब्यूरो

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपना सत्रहवां वार्षिक दीक्षांत समारोह धूमधाम से मनाया, जहां विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के नगरीय विकास एवं ऊर्जा विभाग के कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार शर्मा मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नासिर मुंजी (अध्यक्ष, एमएमटीसी पीएएमपी और अर्का फिनकैप) भी मौजूद थे। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के संस्थापक और माननीय चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर, प्रो चांसलर सैयद नदीम अख्तर, कुलपति प्रोफेसर जावेद मुसर्रत, एडिशनल प्रो चांसलर अदनान अख्तर, एडिशनल प्रो चांसलर डॉ निदा फातिमा, रजिस्ट्रार प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी और अन्य गणमान्य व्यक्ति समारोह का हिस्सा थे। कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. सबा सिद्दीकी ने संभाली। मुख्य अतिथि अरविंद कुमार शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ब्रिटिश शासन के दौरान, भारत की अर्थव्यवस्था को भारी क्षति पहुंचाई गई। हमें न केवल विश्व के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है, बल्कि भारत के महान इतिहास और विरासत को पुनः प्राप्त करना है। मैं आज के सभी स्नातकों को बधाई देता हूँ और चाहता हूँ कि आप विश्वास करें कि आप एक महान देश के हैं। भारत शिक्षा का एक पुराना वैश्विक केंद्र रहा है तक्षशिला, नालंदा इसके उदाहरण हैं। मुझे खुशी है कि इंटीग्रल विश्वविद्यालय वैश्विक शिक्षार्थियों को शिक्षा प्रदान करते हुए भारतीय विरासत को बनाए रख रहा है। सा विद्या या विमुक्तये अर्थात शिक्षा हमें सभी बंधनों से मुक्त करती है, चाहे वह जाति हो, रंग हो, लालच या इच्छा हो। विद्या ददाति विनयं यानी शिक्षा हमें विनम्र और परोपकारी बनाती है। शिक्षा पाने से आपको योग्य नहीं बनाया जाता, बल्कि उस प्रक्रिया में आपकी विनम्रता बढ़ती है। धर्म से जीवन का सार आता है। किसी भी मापदंड पर भारत से बेहतर और देश नहीं है। दीक्षांत समारोह में मौजूद छात्रों को संबोधित करते हुए चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने कहा, आप सभी ने कड़ी मेहनत कर आज यहां तक पहुंच कर यह मुकाम हासिल किया है। याद रखें, सच्चाई और ईमानदारी से भरा रास्ता अस्थायी न होकर स्थायी लाभ देता है। यह शपथ लें कि आप जीवन में कभी भी गलत रास्ते पर नहीं चलेंगे। हालांकि, वह रास्ता अस्थायी लाभ दे सकता है, लेकिन अंत में वही रास्ता आपको नुकसान पहुंचाएगा। अपने माता-पिता का सम्मान करें, वे आपके जीवन का सबसे बड़ा सहारा हैं। हमेशा अपने शिक्षकों का धन्यवाद करें, जिन्होंने आपको इस मुकाम तक पहुंचाया है। अगर आप जीवन में महानता प्राप्त करना चाहते हैं, तो आप कड़ी धूप में मेहनत से डर कर छांव तलाश ना करें बल्कि खुद पर यकीन रखें कि आप वो सब कर सकते हैं जो भी आप सोच सकते हैं। प्रो-चांसलर श्री सैयद नदीम अख्तर ने भी छात्रों को शुभकामनाएं दी और कहा, दीक्षांत समारोह हमारे महत्वपूर्ण मील के पत्थर और उपलब्धियों का प्रतीक होते हैं। विशिष्ट अतिथि नासिर मुंजी ने कहा, हम सभी को, एक राष्ट्र और व्यक्तियों के रूप में, खोजी रोशनी की तरह अपने आस-पास के पर्यावरण का निरीक्षण करना होगा क्योंकि यह दुनिया तेजी से बदल रही है। इस तेजी से बदलते विश्व में जीवित रहने के लिए विश्लेषणात्मक सोच आवश्यक है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर अब्दुल रहमान खान ने विजेताओं के नाम की घोषणा की। इस साल कुल 4,926 स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्रियां वितरित की गईं जिसमें 133 पीएचडी की डिग्रियां शामिल हैं। मो. माज (एमसीए) और सायमा सिद्दीकी (एमएससी गणित) ने विश्वविद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। अन्य विजेताओं में फैकल्टी वाइज 13 गोल्ड मेडल, 13 सिल्वर मेडल, प्रोग्राम वाइज 108 गोल्ड मेडल व 105 सिल्वर मेडल से नवाजा इसके अलावा इंटीग्रल स्टार्टअप फाउंडेशन ने मोहम्मद माज को स्टार्ट अप अवार्ड इन टेक्नोलॉजी एंड सस्टेनेबिलिटी इनोवेशन से सम्मानित किया यह समारोह न केवल विद्यार्थियों की शैक्षिक यात्रा का साक्षी बना, बल्कि उन्हें सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में योगदान के लिए प्रेरित भी किया। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपने छात्रों को एक मजबूत आधार दिया है, जो उन्हें आगे जाकर बेहतर कल बनाने में मदद करेगा।